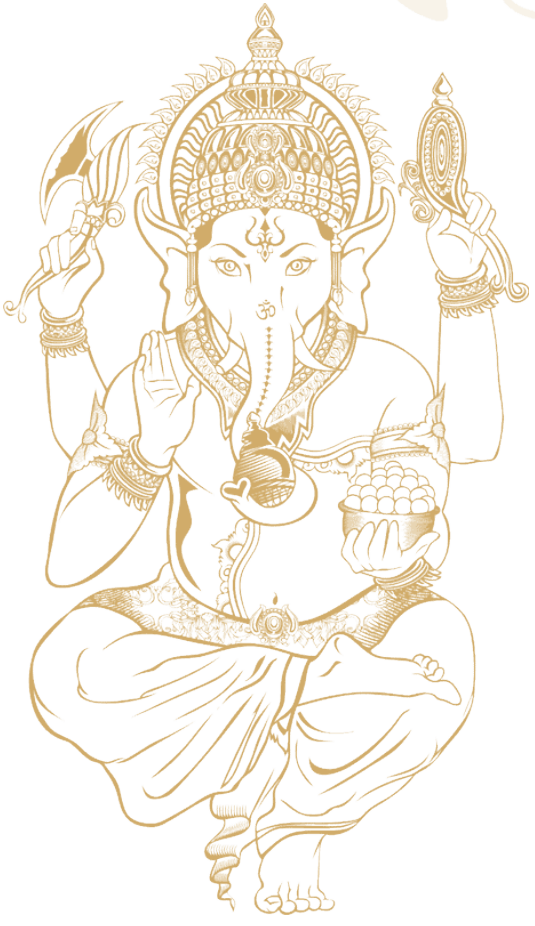

Umang kumar

09 Sep 2020

03:32 AM

Purnea

Model: web-freekundliweb

Order No: 121393402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**8-09/09/2020**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**03:32:00 घंटे**
इष्ट	55:22:12 घटी
स्थान	**Purnea**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:47:00 उत्तर
रेखांश	87:31:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:20:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:52:04 घंटे
वेलान्तर	00:02:23 घंटे
साम्पातिक काल	03:05:46 घंटे
सूर्योदय	05:23:07 घंटे
सूर्यास्त	17:51:24 घंटे
दिनमान	12:28:17 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	22:33:13 सिंह
लग्न के अंश	27:03:10 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 3**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	हर्षण
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	उ-उदय
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	27:03:10	315:29:18	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	गुरु	---
सूर्य			सिंह	22:33:13	00:58:17	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	स्वराशि
चंद्र			वृष	06:08:46	11:57:27	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल			मेष	03:59:34	00:00:54	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	मूलत्रिकोण
बुध			कन्या	10:45:33	01:33:13	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	उच्च राशि
गुरु	व		धनु	23:17:33	00:00:48	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	स्वराशि
शुक्र			कर्क	08:42:32	01:05:47	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	शत्रु राशि
शनि	व		मक	01:31:47	00:01:56	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	स्वराशि
राहु	व		मिथु	01:02:22	00:01:44	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	01:02:22	00:01:44	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	उच्च राशि
हर्ष	व		मेष	16:18:38	00:01:09	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	---
नेप	व		कुंभ	25:29:08	00:01:39	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	---
प्लूटो	व		धनु	28:30:01	00:00:42	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
दशम भाव			मेष	24:45:03	--	भरणी	--	2	मंगल	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:08:29

लग्न-चलित

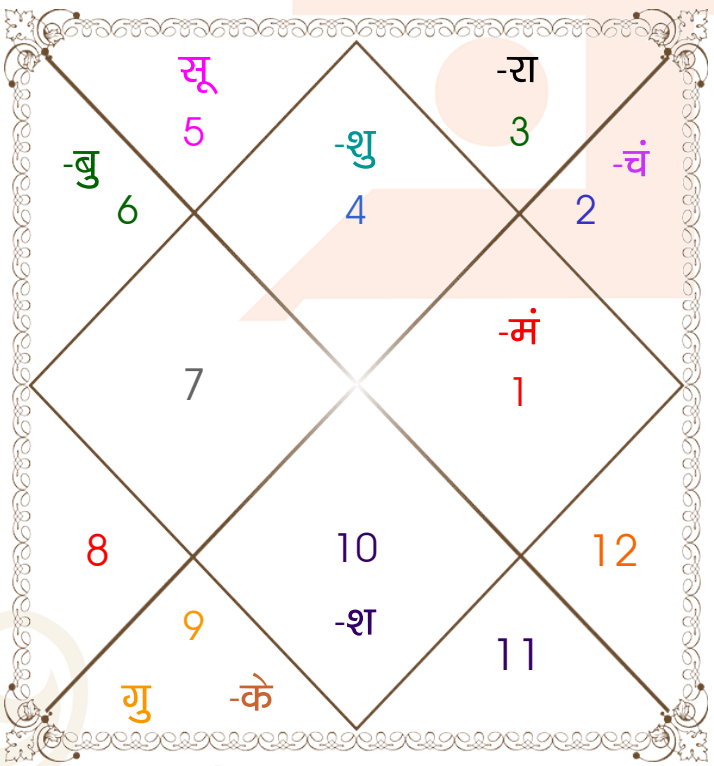

चन्द्र कुंडली

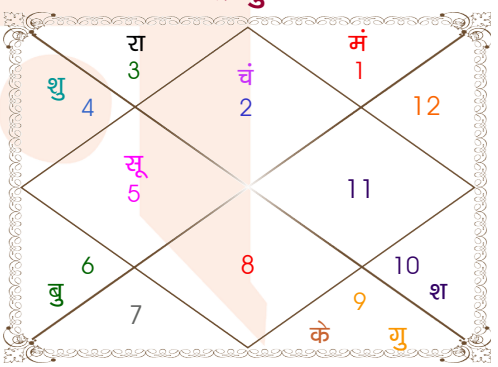

नवमांश कुंडली

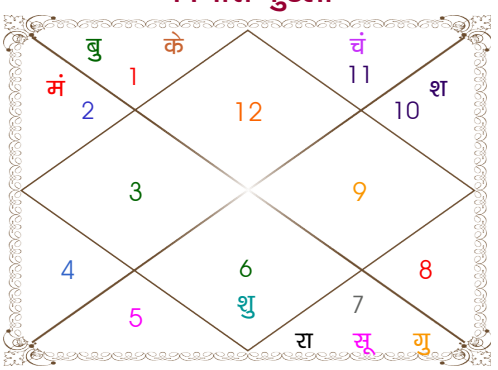

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 8 मास 24 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
09/09/2020		04/06/2022		04/06/2032		04/06/2039		04/06/2057	
04/06/2022		04/06/2032		04/06/2039		04/06/2057		04/06/2073	
	00/00/0000	चंद्र	04/04/2023	मंगल	31/10/2032	राहु	14/02/2042	गुरु	23/07/2059
	00/00/0000	मंगल	04/11/2023	राहु	18/11/2033	गुरु	10/07/2044	शनि	02/02/2062
	00/00/0000	राहु	04/05/2025	गुरु	25/10/2034	शनि	17/05/2047	बुध	10/05/2064
	00/00/0000	गुरु	03/09/2026	शनि	04/12/2035	बुध	03/12/2049	केतु	16/04/2065
	00/00/0000	शनि	04/04/2028	बुध	30/11/2036	केतु	22/12/2050	शुक्र	16/12/2067
	09/09/2020	बुध	03/09/2029	केतु	28/04/2037	शुक्र	22/12/2053	सूर्य	03/10/2068
बुध	27/01/2021	केतु	04/04/2030	शुक्र	28/06/2038	सूर्य	15/11/2054	चंद्र	02/02/2070
केतु	04/06/2021	शुक्र	04/12/2031	सूर्य	03/11/2038	चंद्र	16/05/2056	मंगल	09/01/2071
शुक्र	04/06/2022	सूर्य	04/06/2032	चंद्र	04/06/2039	मंगल	04/06/2057	राहु	04/06/2073

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
04/06/2073		04/06/2092		05/06/2109		05/06/2116		05/06/2136	
04/06/2092		05/06/2109		05/06/2116		05/06/2136		00/00/0000	
शनि	07/06/2076	बुध	31/10/2094	केतु	01/11/2109	शुक्र	05/10/2119	सूर्य	22/09/2136
बुध	15/02/2079	केतु	28/10/2095	शुक्र	01/01/2111	सूर्य	04/10/2120	चंद्र	24/03/2137
केतु	26/03/2080	शुक्र	28/08/2098	सूर्य	09/05/2111	चंद्र	05/06/2122	मंगल	30/07/2137
शुक्र	26/05/2083	सूर्य	05/07/2099	चंद्र	08/12/2111	मंगल	05/08/2123	राहु	23/06/2138
सूर्य	07/05/2084	चंद्र	04/12/2100	मंगल	05/05/2112	राहु	05/08/2126	गुरु	12/04/2139
चंद्र	06/12/2085	मंगल	01/12/2101	राहु	24/05/2113	गुरु	05/04/2129	शनि	24/03/2140
मंगल	15/01/2087	राहु	20/06/2104	गुरु	30/04/2114	शनि	05/06/2132	बुध	10/09/2140
राहु	21/11/2089	गुरु	26/09/2106	शनि	08/06/2115	बुध	05/04/2135		00/00/0000
गुरु	04/06/2092	शनि	05/06/2109	बुध	05/06/2116	केतु	05/06/2136		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 8 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।